पाठ 6

ग्लोब और मानचित्र

आइए सीखें

- पृथ्वी के प्रतिरूप के रूप में ग्लोब को।
- भूगोल में ग्लोब के महत्व को।
- ग्लोब के उपयोग को।
- मानचित्र की आवश्यकता व महत्व।
- मानचित्र को पढ़ना।

ब्रह्माण्ड में हमारी पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है, जिस पर जीवन है क्योंकि पृथ्वी पर जल और वायु दोनों विद्यमान है। क्या आप जानते हो कि पृथ्वी का आकार कैसा है? पृथ्वी को यदि हम सामान्य रूप से देखें तो इसे दूर-दूर तक सपाट रूप में ही देख पाते हैं। पृथ्वी बहुत विशाल है। इसलिए इतनी बड़ी पृथ्वी को हम पृथ्वी से ही एक साथ नहीं देख पाते हैं। लेकिन यदि अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखें, तो पृथ्वी की आकृति या आकार गोलाकार है।

'ग्लोब' पृथ्वी का एक नमूना अर्थात पृथ्वी जैसी आकृति का एक मॉडल है, जो पृथ्वी की आकृति का सही-सही प्रतिनिधित्व करता है। ग्लोब की सहायता से हम ठीक तरह से जान पाते हैं कि पृथ्वी की आकृति गोलाकार है।

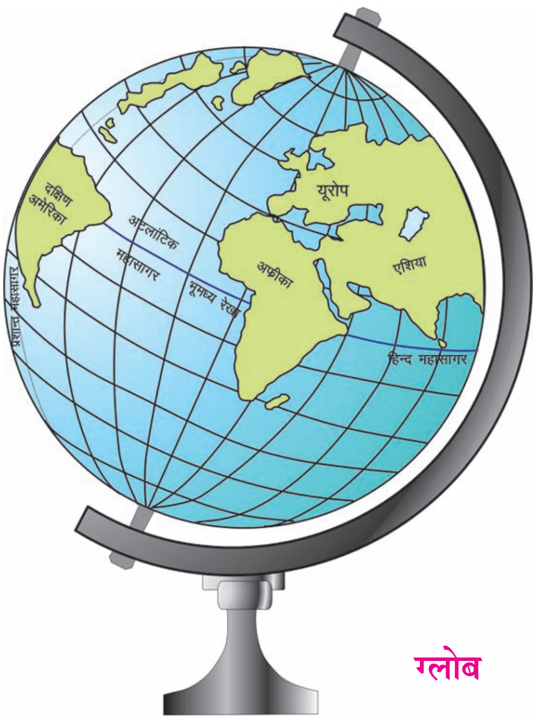

ग्लोब

भूगोल में ग्लोब का बहुत महत्व है क्योंकि इसकी मदद से ही हम पृथ्वी के आकार, उसके झुकाव, उसकी गति को समझ पाते हैं और उससे जुड़ी घटनाओं को समझने का प्रयास करते हैं। इसके साथ ही हम पृथ्वी पर जल और थल के वितरण अर्थात महासागरों और महाद्वीपों के विस्तार व पृथ्वी पर उनकी स्थिति को देख व समझ पाते हैं।

अपनी शाला में शिक्षक से ग्लोब प्राप्त कर, शिक्षक की सहायता से उसका निम्नांकित उपयोग जानिए :-

ग्लोब का उपयोग : ग्लोब को ध्यान से देखते हुए हम निम्न बातें जान सकते हैं-

- पृथ्वी का आकार गोलाकार है।
- पृथ्वी अपने अक्ष पर सीधी नहीं है बल्कि कुछ झुकी ($23\frac{1}{2}^{\circ}$) हुई है।
- पृथ्वी ध्रुवों पर थोड़ी चपटी है।
- पृथ्वी का अपनी धुरी (कील) पर घूमना।
- ग्लोब पर खीचीं आड़ी व खड़ी रेखाओं की विशेषताएं।
- ग्लोब पर कई रंग दिखाई पड़ते हैं जिसमें नीला रंग सबसे ज्यादा दिखाई देता है। जो जल भाग को दर्शाता है।
- पृथ्वी पर महाद्वीप, महासागर, द्वीप, प्रमुख पर्वत, देशों इत्यादि की स्थिति को जान पाते हैं।
- पृथ्वी पर दिन-रात का होना ।

ग्लोब को देखते हुए महाद्वीप और महासागरों के नाम ढूंढकर नीचे बनी तालिका में लिखो-

क्र.	महाद्वीप	क्र.	महासागर
1.	____________	1.	____________
2.	____________	2.	____________
3.	____________	3.	____________
4.	____________	4.	____________
5.	____________		
6.	____________		
7.	____________		

- **ग्लोब :** ग्लोब पृथ्वी का एक नमूना है, जो पृथ्वी की आकृति का सही-सही प्रतिनिधित्व करता है।
- **महाद्वीप :** पृथ्वी के बड़े भू-भाग जिसमें कई देश होते हैं, उसे महाद्वीप कहते हैं। पृथ्वी पर 7 महाद्वीप है।
- **महासागर :** पृथ्वी पर फैले विशाल जल भाग को महासागर कहते हैं। पृथ्वी पर प्रमुख 4 महासागर है।

शिक्षण संकेत : पृथ्वी पर सात महाद्वीप है- 1. उत्तरी अमेरिका 2. दक्षिणी अमेरिका, 3. एशिया 4. यूरोप 5. अफ्रीका 6. आस्ट्रेलिया 7. अन्टार्कटिका। पृथ्वी पर प्रमुख चार महासागर है- 1. प्रशांत महासागर, 2. अटलांटिक महासागर, 3. हिंद महासागर, 4. आर्कटिक महासागर।

मानचित्र की आवश्यकता

जब तक हम पूरी पृथ्वी की बात करते हैं तब तक ग्लोब हमारे लिए बहुत उपयोगी होता है। लेकिन ग्लोब के उपयोग की कुछ सीमाएं भी हैं। जब हम पृथ्वी के किसी स्थान विशेष या छोटे भाग का अध्ययन करना चाहे जैसे देश, जिले, शहर या गांव की जानकारी प्राप्त करना चाहें तब हमें मानचित्र की आवश्यकता पड़ती है क्योंकि मानचित्र की सहायता से हम किसी भी भू-भाग का भलीभांति पठन-पाठन कर सकते हैं। इस प्रकार- **गोलाकार पृथ्वी अथवा उसके किसी भू-भाग का मापन के अनुसार समतल सतह पर चित्रण मानचित्र कहलाता है।**

मानचित्र शब्द की उत्पत्ति लेटिन भाषा के शब्द 'मेप्पा' (Mappa) से हुई है। जिसका शाब्दिक अर्थ है मेजपोश या रूमाल। मध्यकाल में संसार का चित्र कपड़े पर बनाये जाते थे। अंग्रेजी भाषा का 'मेप' शब्द लेटिन भाषा mappa का ही अपभ्रंश है। अंग्रेजी शब्द map को हिन्दी में मानचित्र कहते हैं।

इसी तरह संसार के विभिन्न छोटे-छोटे भागों के मानचित्र भी होते हैं। किसी गांव या शहर के एक छोटे हिस्से का भी मानचित्र होता है जैसे आप अपने गांव के मानचित्र को पटवारी के पास देख सकते है।

मानचित्र को कैसे पढ़ें?

जिस तरह हम पुस्तक पढ़ते हैं। पुस्तकों को पढ़कर अनेक जानकारी प्राप्त करते हैं। ठीक उसी तरह मानचित्र को पढ़ा व समझा जाता है। मानचित्र मुख्यत: चार बिंदुओं के आधार पर पढ़ा व बनाया जा सकता है- शीर्षक, दिशा, **रूढ़चिह्न** और मापक। मानचित्र इस प्रकार बनाया जाता है जैसे हम पृथ्वी या उसके उस

हिस्से को, जिसका मानचित्र बना रहे हैं, ऊपर से देख रहे हैं।

शीर्षक- प्रत्येक मानचित्र का एक **शीर्षक** होता है, जो यह बताता है कि मानचित्र विश्व या विश्व के किस भू-भाग का है। उपर्युक्त मानचित्र का शीर्षक 'भारत' है अर्थात यह भारत देश का मानचित्र हैं। सामान्यत: शीर्षक मानचित्र के दायीं ओर लिखा होता है।

दिशा : यह मानचित्र की दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता है। प्रत्येक मानचित्र में उत्तर दिशा को तीर के चिन्ह द्वारा दिखाया जाता है। दिशा के बिना मानचित्र पढ़ना मुश्किल होता है। परम्परा के अनुसार उत्तर दिशा मानचित्र के ऊपरी हाशिए की ओर इंगित होता है।

रूढ़चिह्न: मानचित्र में कई विषय वस्तुओं, बिंदुओं इत्यादि को कुछ पारम्परिक चिन्हों के द्वारा वर्षों से उपयोग में लाया जाता रहा है। इन चिन्हों को रूढ़ **चिह्न** कहते हैं। कुछ रूढ़चिन्हों को यहां बताया गया है जैसे-

मापक : धरातल की वास्तविक दूरी को कागज पर आनुपातिक रूप में छोटा या बड़ा, मापक की

	पक्की सड़क		पेड़
	कच्ची सड़क	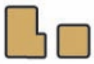	बसाहट
	पगडन्डी		कुआँ
	रेल्वेलाइन बड़ी		उद्यान
	रेल्वेलाइन छोटी		अन्तर्राष्ट्रीय सीमा
	नदी		राज्य की सीमा
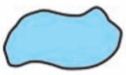	तालाब		जिले की सीमा
	मन्दिर		मस्जिद

सहायता से ही दर्शाया जाता है। उदाहरण के लिए धरातल की वास्तविक दूरी 1 कि.मी. को

शिक्षण संकेत : मानचित्र या एटलस दिखाकर मानचित्र के शीर्षक, दिशा, संकेत (रूढ़चिह्न) मापक की जानकारी दी जा सकती है। अलग-अलग मापक वाले मानचित्र से धरातल की वास्तविक दूरी और मानचित्र में दर्शाए दूरी के मध्य संबंध को बताएँ।

कागज में दर्शाना हो तो मान सकते हैं 1 से.मी. = 1 कि.मी.। हर मानचित्र में पैमाना (मापक) अलग हो सकता है। प्रत्येक मानचित्र में मापक शीर्षक के नीचे या फिर मानचित्र में नीचे की ओर लिखा होता है। इस प्रकार पैमाने के अनुसार मानचित्र में किन्हीं दो स्थानों की दूरी को मापक से मापकर उन्हीं दो स्थानों की धरातल पर वास्तविक दूरी को जान सकते हैं।

इसके अलावा मानचित्र में **रंगों का उपयोग** भी किया जाता है। जल भाग को नीले रंग से दर्शाया जाता है, पहाड़ी भाग को भूरे रंग से दर्शाया जाता है और मैदान को हरे रंग से दर्शाया जाता है, आदि।

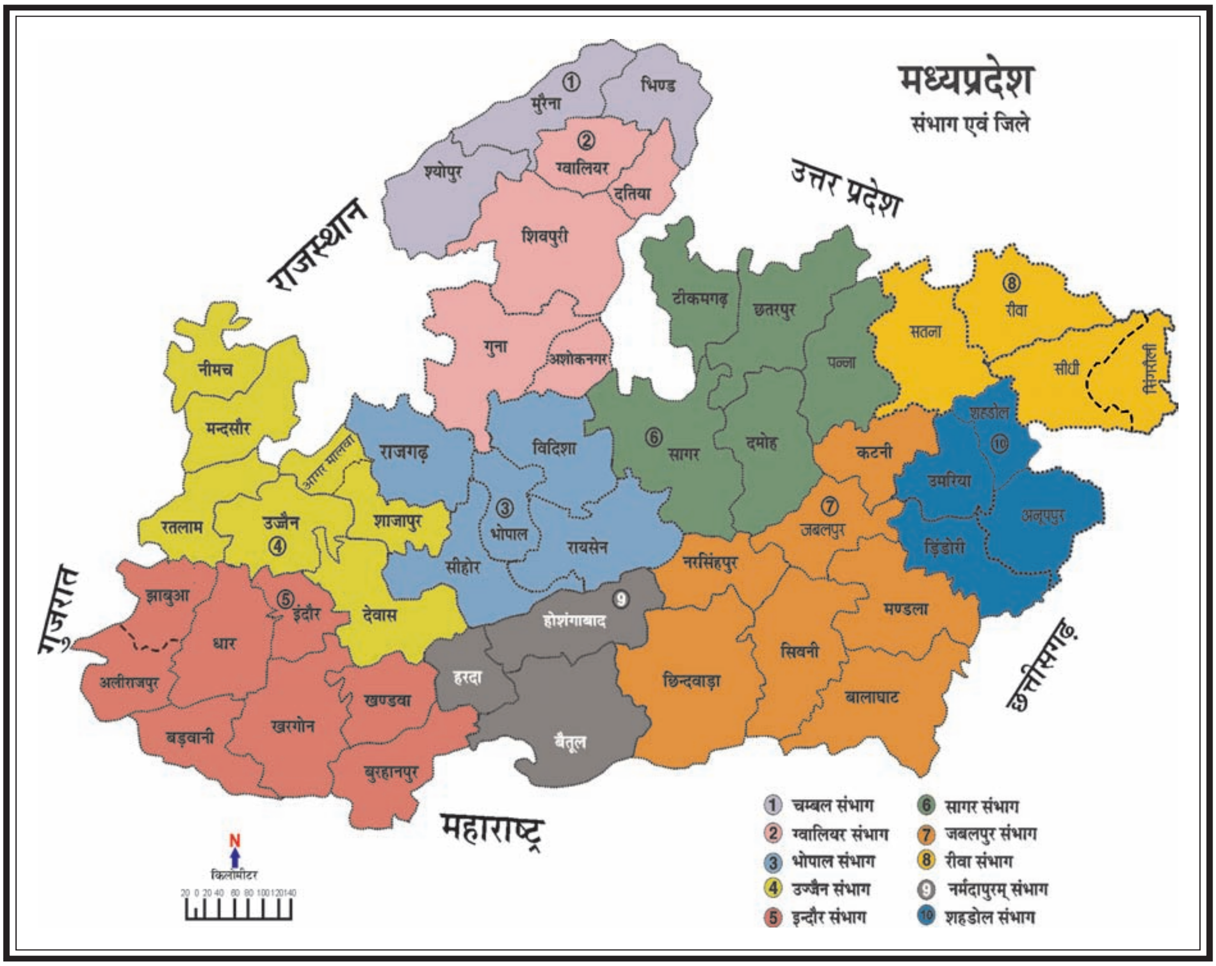

1 अक्टूबर 2018 से टीकमगढ़ जिले को विभाजित कर निवाड़ी नया जिला बनाया गया है। अत: प्रदेश में कुल जिलों की संख्या 52 हो गई है।

उपर्युक्त मानचित्र को पढ़कर निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

1. मानचित्र का शीर्षक क्या है?

—————————————————————

2. उत्तर दिशा किस चिह्न द्वारा दिखाई गयी है। चिह्न बनाइए।

— —

3. मानचित्र में दिए रुढ़चिह्नों में से कोई 2 रूढ़चिह्न नाम सहित बनाइए।

1. ....

2 ....

4. मानचित्र का मापक क्या है?

— —

मानचित्र- पृथ्वी व उसके किसी भू-भाग का मापक के अनुसार समतल सतह पर चित्रण मानचित्र कहलाता है।

मापक- मानचित्र के दो स्थानों की दूरी एवं धरातल पर उन्हीं दो स्थानों की वास्तविक दूरी के अनुपात को मापक कहते हैं।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

(अ) ग्लोब किसे कहते हैं?

(ब) ग्लोब से हमें क्या-क्या जानकारियां प्राप्त होती हैं? कोई 5 लिखिए।

(स) मापक किसे कहते हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए :-

(अ) मानचित्र पढ़ने के लिए किन-किन बातों को जानना आवश्यक है, कोई दो बताइए।

(ब) मानचित्र क्यों बनाए जाते हैं? भूगोल में ग्लोब व मानचित्र का क्या महत्व है लिखिए।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति निम्नलिखित में से सही शब्द चुनकर कीजिए-

(सात, चार, ग्लोब, मानचित्र, नीला)

(अ) किसी भू-भाग का मापक के अनुसार समतल सतह पर चित्रण ...... कहलाता है।

(ब) पृथ्वी के प्रतिरूप या नमूने को .... कहते हैं।

(स) पृथ्वी पर .... महाद्वीप व ...... महासागर है।

(द) ग्लोब पर ...... रंग सबसे अधिक दिखाई देता है।

4. सही जोड़ी मिलाओ-

	अ	ब
(अ)	मापक, दिशा, रूढ़चिह्न	महासागर
(ब)	पृथ्वी का आकार	महाद्वीप
(स)	प्रशांत	गोलाकार
(द)	एशिया	मानचित्र

5. निम्नलिखित सांकेतिक चिह्नों के कोष्टक में दिए सही नाम में से चुनकर रिक्त स्थान पर लिखिए- (जिला सीमा, राज्य सीमा, रेल्वे लाइन, पक्की सड़क, कुआं)

(अ) 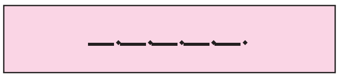 ____________________

(ब) 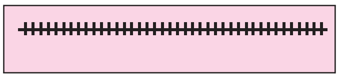 ____________________

(स) 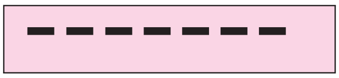 ____________________

(द) ____________________

(इ) 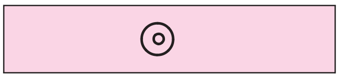 ____________________

6. किसी मानचित्र में मापक 1 से.मी. = 20 कि.मी. है। बताइये मानचित्र में 4 से.मी. धरातल के कितने किलोमीटर की दूरी को प्रदर्शित किया गया है।

7. ग्लोब का चित्र बनाइए और उस पर भूमध्य रेखा, कर्क रेखा तथा मकर रेखा दर्शाइए

प्रोजेक्ट कार्य

- ग्लोब या विश्व के मानचित्र देखकर संसार के महाद्वीपों, महासागरों, सागरों, द्वीपों के नाम सूचीबद्ध कीजिए।
- ग्लोब की सहायता से उत्तरी ध्रुव तथा दक्षिणी ध्रुव के मध्य स्थित प्रमुख अक्षांश रेखाओं के नाम लिखिए।

❖❖❖❖